RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 127
दि. 06.09.2025, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

डॉ. मनसुख मांडविया ने माई भारत मुख्यालय में उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज नई दिल्ली स्थित माई भारत मुख्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, यह निर्णय लिया गया कि एनडीएमए द्वारा प्रशिक्षित 1,000 से अधिक माई भारत आपदा मित्रों को बाढ़ प्रभावित पंजाब और हिमाचल प्रदेश राज्यों में राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से सहायता के लिए तैनात किया जाएगा। डॉ. मांडविया ने बताया कि ये युवा स्वयंसेवक मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि आपूर्ति और आवश्यक सेवाएँ उन दूर-दराज के गाँवों तक पहुँचे।

बारिश-बाढ़ से त्राहिमाम कर रहे राज्यों का दौरा करेंगे पीएम, नुकसान का लेंगे जायजा

नई दिल्ली। (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारी बारिश और बाढ़ से त्राहिमाम कर रहे राज्यों का दौरा कर स्थिति का आकलन करेंगे। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी के दौरे का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। बता दें कि बीते एक सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के प्रभावित इलाकों का जायजा लिया था।

देशभर में बारिश और बाढ़ ने तबाही मचाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित राज्यों का दौरा कर नुकसान का आकलन करेंगे। सूत्रों ने बताया कि बारिश और बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा कर पीएम मोदी स्थिति की समीक्षा करेंगे। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर भारतीय राज्यों, विशेषकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण बड़ी जन-धन की हानि हुई है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी भूस्खलन और अतिवृष्टि से जूझ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी बहुत जल्द इन राज्यों के प्रभावित इलाकों का दौरा कर सकते हैं। फिलहाल उनके कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने हाल ही में जापान और चीन दौरे से लौटने के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से बात की थी। केंद्र सरकार लगातार प्रभावित राज्यों को राहत और बचाव कार्यों में सहयोग दे रही है। गौरतलब है कि पंजाब में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 43 पहुंच गई है। तीन लोग अभी लापता हैं। मृतकों में अमृतसर (5), बरनाला (5), बठिंडा (4), फाजिल्का (1), फिरोजपुर (1), गुरदासपुर (2), होशियारपुर (7), मानसा (3), पठानकोट (6), पटियाला (1), रूपनगर (1), संगरूर (1), एसएएस नगर (2) और लुधियाना (4) शामिल हैं।

बाढ़ से संघर्ष कर रहे इलाकों में फंसे आम लोगों की सेहत को देखते हुए एम्स दिल्ली ने डॉक्टरों और नर्सों की एक विशेष टीम प्रभावित इलाकों में भेजी है। जरूरतमंद लोगों तक चिकित्सीय और मानवीय सहायता पहुंचाने के प्रयास जारी हैं। हालात की संवेदनशीलता को देखते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने 1 सितंबर को जम्मू का दौरा कर बारिश, बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया था। उन्होंने मांजु चक गांव में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और तवी ब्रिज, शिव मंदिर व क्षतिग्रस्त मकानों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का ऋण स्वीकार करते हुए शिक्षक कल्याण निधि में अंशदान किया

गांधीनगर, 5 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 5 सितंबर शिक्षक दिवस पर गुरुवर्यों के सामाजिक दायित्व का ऋण स्वीकार करते हुए शिक्षक कल्याण निधि में अपना अंशदान अर्पण किया।

गांधीनगर शहर तथा जिले के विभिन्न पाँच विद्यालयों एवं केन्द्रीय विद्यालय के बच्चे शिक्षक कल्याण निधि में स्वैच्छिक अंशदान लेने के लिए शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री के निवास स्थान पर पहुँचे थे।

आजीवन शिक्षक एवं पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती यानी 5 सितंबर को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

व्यक्ति एवं समाज के निर्माण में शिक्षकों के योगदान का ऋण स्वीकार करते हुए सभी इस दिन शिक्षक कल्याण निधि में स्वैच्छिक योगदान के रूप में अंशदान देते हैं।

मुख्यमंत्री ने भी शिक्षक दिवस के अवसर पर अपना व्यक्तिगत अंशदान अर्पित कर गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

उन्होंने अंशदान लेने आए स्कूली बच्चों के साथ सहज संवाद कर शिक्षकों के प्रति उनके आदर भाव का आदान-प्रदान भी किया।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, जिला पुलिस अधीक्षक, जिला शिक्षाधिकारी, प्राथमिक शिक्षाधिकारी तथा विद्यालयों के शिक्षक भी उपस्थित रहे।

बिहार : जीतन राम मांझी की 20 सीटों की डिमांड से बढ़ी टेंशन

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले एनडीए खेमे में सीट बंटवारे की रस्साकशी तेज होती जा रही है। छोटे सहयोगी दल अब अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने के मूड में हैं। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने साफ कर दिया है कि उनकी पार्टी इस बार महज 'साइलेंट पार्टनर' नहीं बनेगी। मांझी ने 20 सीटों की डिमांड पेश कर एनडीए के भीतर हलचल बढ़ा दी है।

मांझी की दलील -सीटें बढ़ें ताकि पार्टी को मिले राष्ट्रीय पहचान

मांझी का कहना है कि उनकी पार्टी ने पिछले चुनाव में 7 सीटों पर दमखम दिखाया और 4 पर जीत दर्ज की थी। इस बार जनाधार और समर्थन को देखते हुए सीटें बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अगर उनकी पार्टी कम से कम 8 सीटें जीतती है, तो राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल कर सकती है। यही वजह है कि सीट बंटवारे में उनकी हिस्सेदारी पहले से कहीं ज्यादा होनी चाहिए।

अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में मांझी ने और भी सख्त लहजा अपनाया। उन्होंने कहा कि पैसा नहीं, लेकिन जनता का समर्थन उनके पास है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भीड़ जुटाना सबके बस की बात नहीं है - प्रधानमंत्री मोदी की गया रैली में जो भारी भीड़ उमड़ी थी, वह उनकी ताकत को दिखाता है। उन्होंने संकेत दिया कि अगर एनडीए में उनकी बात नहीं सुनी गई तो 2015 की तरह 'अलग राह' चुनने में भी देर नहीं करेंगे।

मांझी ने उदाहरण देते हुए कांशीराम और मायावती का जिक्र किया और कहा कि शुरूआती दौर में भले ही वे ज्यादा सीटें न जीत पाए, लेकिन उनके वोट शेयर ने पार्टी को पहचान दिलाई और यही आगे चलकर उन्हें सत्ता तक ले गया। उन्होंने साफ कहा - "हम मेहनत करें और नाम कोई और ले जाए, यह अब नहीं चलेगा।"

मांझी के बयान के बाद गठबंधन के भीतर बेचैनी बढ़ी है। हालांकि, जेडीयू ने इस विवाद से दूरी बना ली है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने स्पष्ट किया कि बीजेपी और जेडीयू के बीच सीट बंटवारे का कोई झगड़ा नहीं है।

प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी के 2.0 अंतर्गत अंगीकार 2025 अभियान का शुभारंभ

माननीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने 4 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी 2.0 (पीएमएवाई-यू 2.0) के अंतर्गत लास्ट माइल आउटरीच अभियान "अंगीकार 2025" का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में माननीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भी उपस्थित थे। इस अवसर पर आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री श्रीनिवास कटिकिथला, सभी के लिए आवास (एचएफए) के संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक (जेएस एवं एमडी) श्री कुलदीप नारायण और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

गब्बर सिंह टैक्स : निर्मला सीतारमण ने राहुल गांधी को लिया आड़े हाथ?

(जीएनएस)।

'गब्बर सिंह टैक्स' - ये नाम सुनते ही बॉलीवुड की फिल्म 'शोले' का वो खतरनाक डाकू गब्बर याद आता है, लेकिन आजकल ये टर्म भारत की टैक्स पॉलिसी की दुनिया में तहलका मचा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए 'गब्बर सिंह टैक्स' को लेकर जमकर निशाना साधा।

ये टर्म कोई और नहीं, बल्कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 2017 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) के लिए इस्तेमाल किया था। अब जब GST में बड़े सुधार हुए हैं, तो सीतारमण ने कांग्रेस को उसी के 'गब्बर' ताने से घेर लिया। आइए, इस पॉलिटिकल ड्रामे और GST 2.0 की पूरी कहानी को समझते हैं...

'गब्बर सिंह टैक्स' का मतलब क्या?

2017 में जब GST लागू हुआ, तो इसे 'वन नेशन, वन टैक्स' का जश्न मनाया गया। लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे 'गब्बर सिंह टैक्स' का नाम दे दिया। उनका कहना था कि GST के कई स्लैब (5%, 12%, 18%, 28%) और जटिल नियमों ने बिजनेस को बुरा सपना बना दिया। राहुल ने तंज कसते हुए कहा था कि जैसे 'शोले' में गब्बर गांव वालों को लूटता था, वैसे ही GST छोटे व्यापारियों और आम लोगों की जेब पर भारी पड़ रहा है। 2017 में गुजरात रैली में राहुल ने कहा, 'GST में 28% तक टैक्स और तीन रिटर्न फॉर्म इसे गब्बर सिंह टैक्स बनाते हैं।'

GST 2.0: सुधारों का 'दिवाली गिफ्ट'

3 सितंबर 2025 को 56वीं GST काउंसिल की मीटिंग में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐतिहासिक सुधारों का ऐलान किया। अब GST के चार स्लैब (5%, 12%, 18%, 28%) को घटाकर सिर्फ दो स्लैब - 5% और 18% - कर दिया गया है। इसके अलावा, लग्जरी और 'सिन गुड्स' (तंबाकू, गुटखा, सिगरेट, हाई-एंड कार) पर 40% का स्पेशल स्लैब लागू होगा। टूथपेस्ट, शैंपू, साबुन, दूध, दही, आटा जैसी रोजमर्रा की चीजें अब 5% टैक्स ब्रैकेट में आएंगी, जिससे आम आदमी की जेब को राहत मिलेगी। छोटी कारें, मोटरसाइकिल (350 तक), और इलेक्ट्रॉनिक्स पर भी टैक्स 18% होगा। खास बात? हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी से GST पूरी तरह हटा लिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'दिवाली बोनांजा' करार दिया और कहा कि इससे मिडिल क्लास को फायदा होगा। लेकिन कांग्रेस ने तुरंत इसका क्रेडिट लेने की कोशिश की, जिस पर सीतारमण ने तंज कसा।

5 सितंबर 2025 को इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस को जमकर लताड़ा। उन्होंने कहा, 'जो लोग GST को 'गब्बर सिंह टैक्स' कहकर मजाक उड़ाते थे, वही अब इसका क्रेडिट ले रहे हैं। कांग्रेस हमें बताए, उन्होंने अपने शासन में GST क्यों नहीं लागू किया?'

सीतारमण ने इंदिरा गांधी के जमाने का जिक्र करते हुए तगड़ा तंज कसा। उन्होंने कहा, 'उस वक्त कांग्रेस सरकार 100 रुपये की कमाई पर 91 रुपये टैक्स वसूलती थी। अब वही लोग GST 2.0 का क्रेडिट ले रहे हैं!'

उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया, 'क्या आप चाहते हैं कि तंबाकू और गुटखा पर सिर्फ 5% टैक्स लगे? हमने ऋळ को सरल बनाया, ताकि आम आदमी को राहत मिले, टरटए२ को आसानी हो, और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो।'

कांग्रेस का पलटवारः '8 साल देर से सुधार'

कांग्रेस ने इन सुधारों का स्वागत तो किया, लेकिन इसे '8 साल देर से लिया गया फैसला' बताया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'ऋळ का 64% टैक्स गरीब और मिडिल क्लास की जेब से आता है, जबकि अरबपतियों से सिर्फ 3%। मोदी सरकार ने 'वन नेशन, वन टैक्स' को 'वन नेशन, 9 टैक्स' बना दिया था।'

'गब्बर सिंह टैक्स' का तमगा ऋळ को 2017 में राहुल गांधी ने दिया था, लेकिन 2025 में आए ऋळ 2.0 के सुधारों ने इसे 'गुड एंड सिम्पल टैक्स' बनाने की कोशिश की है। निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस को पुराने 91% इनकम टैक्स का हवाला देकर घेरा, तो कांग्रेस ने सुधारों को 'राहुल गांधी की जीत' बताया। इस पॉलिटिकल ड्रामे के बीच आम आदमी को सस्ते टूथपेस्ट, साबुन, और इंश्योरेंस से राहत मिलेगी।

राजस्थान विधानसभा से पूर्व उपराष्ट्रपति की पेंशन मंजूर

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुछ दिन पहले विधायक की पेंशन के लिए आवेदन किया था। धनखड़ 1993 से 1998 तक राजस्थान विधानसभा में किशनगढ़ सीट से विधायक रहे थे। पूर्व उपराष्ट्रपति ने उस बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता था। 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने वाइस प्रेसिडेंट के पद से इस्तीफा दिया था। अब वह उपराष्ट्रपति के अलावा विधायक को मिलने वाली पेंशन के भी लाभार्थी हैं।

राजस्थान विधानसभा ने पूर्व विधायक की पेंशन मंजूर कर दी है।

आपदा राहत राशि पर श्वेतपत्र जारी करे सुक्खू सरकारः अनुराग ठाकुर

(जीएनएस)।

हिमाचल प्रदेश में आपदा राहत राशि को लेकर सियासत तेज हो गई है। हमीरपुर सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हिमाचल डिसास्टर रिलीफ फण्ड का सही उपयोग नहीं हुआ।

हिमाचल प्रदेश में हर साल बरसात और भूस्खलन से भारी तबाही होती है। ऐसे हालात में राहत और पुनर्वास कार्य सबसे बड़ा सवाल बन जाते हैं। इसी मुद्दे पर हमीरपुर के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रदेश की सुक्खू सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि आपदा की घड़ी में राज्य सरकार जनता को राहत देने में नाकाम रही और अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि केंद्र से आई भारी भरकम राशि आखिरकार कहाँ और कैसे खर्च की गई।

श्वेतपत्र जारी करे सरकार-अनुराग ठाकुर

अनुराग ठाकुर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में साफ कहा कि जब भी किसी राज्य में आपदा आती है तो सबसे पहले राज्य सरकार नुकसान का स्टीमेट बनाकर केंद्र सरकार को भेजती है। इसके बाद केंद्र की टीमें मौके पर जाकर सर्वेक्षण करती हैं और तय करती हैं कि कितनी आर्थिक मदद दी जाएगी। यह राशि अलग-अलग मदों में आती है - SDRF , SDMF और NDRF ।

उन्होंने कहा कि इसके बाद यह राज्य सरकार के अधीन होता है कि वह पैसा कहाँ खर्च करे। लेकिन कई बार इसका भारी दुरुपयोग जिला और राज्य स्तर पर देखने को मिलता है। ठाकुर ने कहाः

"देखना चाहिए कि जिस ज़िले में नुकसान हुआ, क्या वहाँ पर्याप्त पैसा पहुँचा? और क्या वह पैसा उसी प्रभावित क्षेत्र में खर्च हुआ या कहीं और बाँट दिया गया? राहत राशि का 'बंदरबांट सिस्टम' नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार को चाहिए कि एक श्वेतपत्र जारी करे कि केंद्र से कितनी राशि आई और उसे कहाँ-कहाँ खर्च किया गया।

ईद-ए-मिलाद के मौके पर श्रीनगर में बवाल, प्रदर्शनकारियों ने अशोक स्तंभ तोड़ा

(जीएनएस)। श्रीनगर के ऐतिहासिक हजरतबल दरगाह में ईद-ए-मिलाद के मौके पर शुक्रवार (5 सितंबर) को भारी बवाल हो गया। दरगाह के नवीनीकरण के दौरान लगाए गए मार्बल शिलापट्ट को लेकर लोगों ने जमकर विरोध किया। दरअसल स्थानीय लोग दरगाह में प्रतिमा लगाए जाने का विरोध कर रहे थे। स्थानीय प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मस्जिद परिसर में प्रतिमा जैसी आकृति लगाना इस्लामिक मान्यताओं के खिलाफ है।

इसी गुस्से में भीड़ ने शिलापट्ट पर उकेरे गए अशोक स्तंभ को तोड़ दिया। यह वही शिलापट्ट है, जिसका उद्घाटन तीन दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने किया था। प्रदर्शनकारियों ने ईंट से लेकर शिलापट्ट को तोड़ दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में दिख रहा है कि भारी भीड़ इसमें कुछ लोग पत्थर मारकर शिलापट्ट पर बनी आकृति को नुकसान पहुंचाते नजर आ रहे हैं। शिलापट्ट पर वक्फ बोर्ड और डॉ. अंद्राबी का नाम भी अंकित था। नवीनीकरण परियोजना के उद्घाटन के बाद डॉ. अंद्राबी ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा था कि यह एक सपना साकार होने के जैसा है। उन्होंने कहा कि इस सौंदर्यीकरण परियोजना से हजरतबल दरगाह को देश और क्षेत्र की सबसे खूबसूरत दरगाह के रूप में विकसित किया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट को लेकर केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरन रिजिजू ने भी बधाई दी थी। उन्होंने कहा था कि 1968 के बाद पहली बार दरगाह के आंतरिक हिस्से में इतना बड़ा बदलाव हुआ है। रिजिजू के अनुसार नया डिजाइन कश्मीर की पारंपरिक कला और आधुनिकता का संगम है और यह जम्मू-कश्मीर की आध्यात्मिक धरोहर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

श्रीनगर में ईद-ए-मिलाद के मौके पर किसी भी तरह की अव्यवस्था से निपटने के लिए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। इसके बावजूद भी प्रदर्शनकारियों में दरगाह में जमकर तोड़फोड़ मचाई और इस वजह से तनाव का माहौल बन गया है। हालांकि, स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और किसी तरह की नुकसान की

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

मौसम में भारी परिवर्तन से तबाही

वैज्ञानिक बार-बार चेता रहे थे कि प्रकृति से इतनी छेड़छाड़ न करो पर मनुष्य इस चेतावनी को नजरअंदाज करता चला गया। नतीजा सामने है। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में भारी परिवर्तन आया है। उत्तर भारत में सितम्बर में भी बाढ़-बारिश और भूस्खलन का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश से पंजाब और दिल्ली तक कई इलाके बाढ़ से बेहाल हैं। हिमाचल में भूस्खलन की अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों की मौत हुई है। कई घायल हैं और कई लापता। पंजाब के सभी 23 जिलों में 1200 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में हैं। 3.75 लाख एकड़ वृषि भूमि खासकर धान के खेत पानी में डूब गए हैं। फिरोजपुर मंडल में 16 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। हिमाचल में रायपुर में चलती बस पर चट्टान गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। बिलासपुर में 9 घर ढह गए हैं। मृतकों की संख्या 7 हो गई है। वुल्लू में दो लोग मलबे में दब गए। 7 नेशनल हाईवे समेत 1,155 सड़वें, 2,477 बिजली ट्रांसफार्मर और 720 पेयजल योजनाएं ठप रही। वहीं छत्तीसगढ़ व बलरामपुर जिले में बांध का एक हिस्सा टूटने से आई बाढ़ में 4 लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो महिलाएं थीं। माता वैष्णो देवी के ट्रैक पर बुधवार को फिर भूस्खलन हुआ, लेकिन यात्रा बंद रहने से बड़ा हादसा टल गया। जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के सुंदर बनी तहसील में मकान गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई। पंजाब में दर्जनों पशु पानी में बह गए। पंजाब में बारिश का कहर जारी है। राज्य इस समय 1988 के बाद की सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। अब तक 29 लोगों की मौत हो चुकी है और 2.56 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं, जिनमें गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर शामिल हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने सीएम भागवत मान से जानकारी ली है। पाकिस्तान के पंजाब में बाढ़ से प्रभावित करतारपुर कॉरिडोर परिसर अब भी श्रद्धालुओं के लिए बंद है। गुरुद्वारा दरबार साहिब में सेना और सिविल प्रशासन बहाली कार्य में जुटे हैं। अत्यंत दुख की बात है कि इस समय लगभग सारी यात्राएं बाढ़ के कारण बंद हैं। केदारनाथ धाम बंद, बद्रीनाथ धाम बंद, माता वैष्णो देवी धाम बंद, ऋषिकेश के घाट बंद, किन्नर वैलाश बंद, अमरनाथ यात्रा बंद ये सब यात्रा है जहां जाकर साक्षात भगवान के दर्शन होते हैं। वुछ तो गलती कर रहे हैं इंसान की भगवान भी मुंह मोड़ रहे हैं। इस जगह को पर्यटक स्थल न बनाएं। सिर्प भक्ति के लिए ही जाएं। बहुत वुछ संकेत प्रकृति हमको दे रही है। अगर अब भी नहीं चेते तो यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रकृति ऐसा बदला लेगी कि लोग भूल नहीं सवेंगे। ट्रेलर तो देखने को मिल ही रहा है। यह बताना भी जरूरी है कि इस समय देश में कई नदियां उफान पर हैं। इसके अलावा 21 जगहों पर बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। 33 जगहों पर नदियों का जलस्तर सामान्य से ऊपर चल रहा है। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि 21 गंभीर बाढ़ प्रभावित स्थानों में से 9 बिहार में, 8 उत्तर प्रदेश में और एक-एक दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और झारखंड में है। वहीं व्यास, सतलुज, चिनाव, रावी, अलकनंदा और भागीरथी नदियों में जलस्तर अचानक बढ़ने की आशंका है। इस बार बारिश सिर्फ पर्वतीय राज्यों तक सीमित नहीं है इस बार मैदानी राज्यों में भी कहर ढा रही है। इसका कारण सिर्प ज्यादा वर्षा होना नहीं है, इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि कमजोर आधारभूत ढांचे का निर्माण और जल निकासी के उपयुक्त उपाय न होना भी है। यही कारण है कि नए पुल, नई बनी सड़के भी बाढ़ के कारण ताश के पत्तों की तरह ढह रही है।

स्थिति यह है कि महानगर तक की सड़वें यहां तक कि एक्सप्रेसवे और हाईवे तक में जल निकासी के पर्याप्त इंतजाम नदारद हैं। बाढ़ के बाद डेंगूमलेरिया जैसी बीमारियों के पैलने का खतरा भी बढ़ जाता है। फिलहाल संकट से निपटने के लिए जिन तत्कालिक उपायों की जरूरत हैं, उन पर तो सरकार ध्यान देगी ही, हैरत की बात तो अलबत्ता यह है हर साल बारिश के मौसम में ऐसी ही स्थिति खड़ी होने पर भी हम खुद को वहीं के वहीं खड़े पाते हैं। हमें यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ समंजस्य बनाए बगैर हम ऐसी आपदाओं को बार-बार झेलने के लिए मजबूर होंगे।

6 सितंबर : राष्ट्रीय पुस्तक पढ़ें दिवस : गुजरात के नागरिकों को पठन-पाठन के प्रति प्रेरित करने के लिए राज्यभर में 197 सरकारी पुस्तकालय कार्यरत, नए 71 सरकारी पुस्तकालयों के निर्माण को मंजूरी

- राज्य के मध्यस्थ पुस्तकालयों में प्रतिदिन 500 से अधिक, जबकि जिला पुस्तकालयों में प्रतिदिन 150 से अधिक पाठक लेते हैं पठन का लाभ
- गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों को पठन के लिए प्रेरित करने हेतु 'वांचे गुजरात' अभियान चलाया था

गांधीनगर, 5 सितंबर : गुजरात के नागरिक नियमित पठन-पाठन के प्रति प्रेरित हों; इस उद्देश्य से गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2010 में ह्यवाँचे गुजरातह्ल (पढ़े गुजरात) अभियान चलाया था। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान गुजरात के सभी पुस्तकालयों को ग्रंथों-पुस्तकों से समृद्ध बनाने का आयोजन किया था। पुस्तक पठन के महत्व को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार राज्यभर में सरकारी पुस्तकालयों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है।

गत वर्ष राज्य के 21 जिलों की 50 तहसीलों तथा 7 आदिजाति जिलों की 14 तहसीलों में कुल 64 सरकारी पुस्तकालय शुरू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। इनमें से 53 सरकारी पुस्तकालय कार्यरत हो चुके हैं और 11वें का कार्य प्रगति पर है। आज समग्र गुजरात में कुल 197 सरकारी पुस्तकालय कार्यरत हैं तथा इस वर्ष तहसील स्तर पर 71 नए सरकारी पुस्तकालयों के निर्माण को राज्य सरकार ने मंजूरी दी है। इसके बाद राज्य की सभी तहसीलों में सरकारी पुस्तकालय कार्यरत हो जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि हर वर्ष 6 सितंबर का दिन ह्यनेशनल रीड अ बुक डेह्ल यानी ह्यराष्ट्रीय पुस्तक पढ़ें दिवसह्ल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस हर

व्यक्ति को पुस्तक पढ़ने का आनंद उठाने के लिए अपनी दिनचर्या से समय निकालने को प्रेरित करता है। यह दिवस मनाने का उद्देश्य हर व्यक्ति को पठन-पाठन की गतिविधि में रुचि लेने हेतु प्रोत्साहित करना है, जिससे वे पठन-पाठन प्रवृत्ति को अपना सकें और उसका आनंद ले सकें।

राज्य में 33 जिला पुस्तकालय तथा 150 तहसील पुस्तकालय

राज्य में कुल 197 सरकारी पुस्तकालय कार्यरत हैं, जिनमें 33 जिला पुस्तकालय एवं 150 तहसील पुस्तकालय सहित मध्यस्थ पुस्तकालय, चलते-फिरते पुस्तकालय, राज्य केन्द्रीय आरक्षित ग्रंथ भंडार, स्टेट आर्ट लाइब्रेरी तथा महिला ग्रंथालय शामिल हैं।

मध्यस्थ पुस्तकालयों में प्रतिदिन 500 से अधिक, जबकि जिला पुस्तकालयों में प्रतिदिन 150 से अधिक पाठक

राज्यभर में स्थित सरकारी पुस्तकालय नागरिकों को पठन-पाठन के लिए प्रेरित करते हैं। राज्य के मध्यस्थ पुस्तकालयों में प्रतिदिन 500 से अधिक नागरिक पठन-पाठन का लाभ ले रहे हैं, जबकि जिला पुस्तकालयों में प्रतिदिन 150 से अधिक पाठक पठन-पाठन का लाभ ले रहे हैं। राज्य के जिन जिला पुस्तकालयों में पठन-पाठन की सुविधा उपलब्ध है, वहाँ प्रतिदिन 250 से अधिक पाठक पठन-पाठन का लाभ ले रहे हैं तथा तहसील पुस्तकालयों में भी 100 से अधिक पाठक प्रतिदिन पढ़ने का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

आदिजाति समुदाय भी प्राप्त कर रहे हैं पठन-पाठन का लाभ

राज्य के आदिजाति क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों के लोगों में पठन-पाठन के प्रति रुचि जागृत हो तथा वे पठन-पाठन के प्रति प्रेरित हों; इस उद्देश्य से राज्य की सभी आदिवासी बहुल तहसीलों में भी पुस्तकालय कार्यरत किए गए हैं। राज्य के 7 आदिजाति जिलों की 14 तहसीलों में पुस्तकालय शुरू किए गए हैं, जिनके माध्यम से आदिजाति समुदाय को भी पठन-पाठन सेवा का लाभ मिल रहा है।

गुजरात : राज्य स्तरीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार समारोह-2025 संपन्न

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से राज्य के 30 शिक्षकों को ह्यश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कारह्ल अर्पण : पाँच प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

* शिक्षक समुदाय विद्यार्थियों में स्वदेशी एवं राष्ट्र प्रथम का भाव जागृत कर प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करे

* आजीवन शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान ह्यराइट जॉब एट राइट टाइमह्ल

* जीवन निर्माण में माता-पिता के बाद शिक्षक का योगदान महत्वपूर्ण; इसमें रक्त का नहीं, बल्कि वात्सल्य का संबंध होता है

- एआई प्रशिक्षण दे सकता है, लेकिन विद्यार्थियों में संस्कारों का सिंचन तो शिक्षक ही कर सकते हैं : मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर

गांधीनगर, 5 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार समारोह में शिक्षकों को संबोधित करते हुए उनसे विद्यार्थियों में बचपन से ही स्वदेशी के संस्कारों का सिंचन कर आत्मनिर्भर भारत के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए विद्यार्थियों के सच्चे पथदर्शक बनने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आज का बच्चा कल का नागरिक है। ऐसे में उनमें आज से ही स्वदेशी एवं राष्ट्र प्रथम का भाव जागृत हो; यह जिम्मेदारी शिक्षकों को निभानी है।

इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर की उपस्थिति में मुख्यमंत्री के करकमलों से राज्य के 30 शिक्षकों को ह्यश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कारह्ल से सम्मानित किया गया तथा पाँच प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सांकेतिक रूप से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री की इस बात को दोहराते हुए कहा कि माता-पिता के बाद शिक्षक ही बालमानस पर गहरा प्रभाव डालते हैं। शिक्षक तथा विद्यार्थी के बीच रक्त का नहीं, बल्कि वात्सल्य का संबंध है। माता-पिता के बाद शिक्षक

ही बालमानस पर सर्वाधिक प्रभाव डालते हैं। ऐसे में उन्होंने सभी शिक्षकों से भावी पीढ़ी का निर्माण कर विकसित गुजरात द्वारा विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की।

श्री पटेल ने कहा कि हम अपने जीवन में किसी भी काम को छोटा न समझें, बल्कि जो कार्य करने का सौभाग्य मिला हो, उसे अच्छी तरह करना ही सच्चा शिक्षा कार्य है।

उन्होंने आजीवन शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 137वीं जयंती के अवसर पर पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को अभिनंदन दिया और आज के दिन श्रेष्ठ शिक्षा सम्मान मिलने को ह्यराइट जॉब एट राइटह्ल टाइम बताते हुए कहा कि किसी भी समाज की सुदृढ़ नींव शिक्षा ही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बोझ रहित शिक्षा को प्रोत्साहन देकर माता-पिता के आर्थिक बोझ को भी हल्का किया है। श्री पटेल ने जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री तथा केन्द्रीय वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अभी दो दिन पहले ही देश में नेक्स्ट जेन जीएसट सुधारों का ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। इन ऐतिहासिक सुधारों में भी प्रधानमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र का विशेष ध्यान रखा है, जिससे शैक्षणिक वस्तुओं के दाम भी घटेंगे।

श्री पटेल ने आचार्य चाणक्य के सूत्र को याद कर शिक्षक की महत्ता के विषय में कहा कि गुरु भगवान के भी दर्शन करा सकते हैं। प्राचीनकाल से भारत में ज्ञान का दर्शन करने वाले ये गुरु ही हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति को चरित्रवान बनाती है। शिक्षा की सकारात्मकता सबसे बड़ी पूंजी है।

उन्होंने नई शिक्षा नीति, बेटियों के लिए नमो लक्ष्मी व नमो सरस्वती जैसी योजनाओं सहित केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की चर्चा कर सभी से उनका लाभ लेने और विकसित भारत@2047 के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने में साथ मिलकर जुड़ने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर ने भगवान श्री कृष्ण, आचार्य चाणक्य, विनोबा भावे तथा काकासाहब कालेलकर के उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के विकास में गुरुओं का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने छात्रकेन्द्री व समाजकेन्द्री लक्ष्य रखकर अथक परिश्रम द्वारा विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण का कार्य करने वाले शिक्षकों की प्रशंसा की। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास द्वारा समग्र राज्य की भी अच्छी छवि उभारने के लिए शिक्षकों को अभिनंदन दिया।

इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा जगत के नोबल पुरस्कार समान ग्लोबल टीचर प्राइज प्राप्त करने वाले महाराष्ट्र के परितेवाडी गाँव के शिक्षक रंजीत सिंह दिसाले का अनुकरणीय उदाहरण भी दिया।

डॉ. विवेक बिंद्रा : लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मिली क्लीन चिट

(जीएनएस)।

देश के मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और बिजनेस कोच डॉ. विवेक बिंद्रा को आखिरकार सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। पिछले कुछ सालों से लगातार विवादों और मुकदमों में घिरे रहने के बाद अब अदालत ने उन्हें सभी मामलों से बरी कर दिया है।

सोशल मीडिया पर एक समय उनकी खूब आलोचना हुई। कई लोग उन्हें ट्रोल करते रहे और उनके बिजनेस मॉडल को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए गए। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने न केवल डॉ. विवेक बिंद्रा की छवि को साफ किया है, बल्कि उनके समर्थकों और लाखों युवाओं के लिए भी यह खबर किसी जीत से कम नहीं मानी जा रही।

विवादों में घिरे थे बिंद्रा और उनकी कंपनी

कुछ समय पहले डॉ. विवेक बिंद्रा और उनकी कंपनी बड़ा बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड पर धोखाधड़ी और झूठे वादों के आरोप लगे थे। उनके खिलाफ देशभर में केस दर्ज किए गए थे। आरोप यह भी था कि कंपनी मनी

मेकिंग चेन जैसी स्कीम्स से लोगों को जोड़कर उन्हें लाखों कमाने का सपना दिखाती थी। साथ ही, उनके कुछ कोर्सेज जैसे 10 Day MBA को लेकर भी सवाल उठाए गए थे।

आलोचनाओं और ट्रोलिंग का किया सामना

इन आरोपों के दौरान डॉ. विवेक बिंद्रा को सोशल मीडिया पर खूब आलोचना और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। हालांकि उन्होंने संयम रखते हुए हर केस को कोर्ट में चुनौती दी और अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उन्हें सभी मामलों में क्लीन चिट मिल चुकी है।

बिंद्रा की प्रतिक्रिया

फैसले के बाद डॉ. विवेक बिंद्रा ने कहा कि सच की जीत हमेशा होती है और इस बार भी वही साबित हुआ है। उन्होंने इसे उन लाखों युवाओं और उद्यमियों की जीत बताया, जो सालों से उन पर भरोसा करते आए हैं।

सोशल इमेज पर सकारात्मक असर

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस फैसले के बाद डॉ. विवेक बिंद्रा की छवि में बड़ा सुधार होगा। विवादों के कारण उनकी सोशल इमेज काफी प्रभावित हुई थी, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला उनके लिए एक नई शुरूआत साबित हो सकता है।

सालों से कर रहे हैं युवाओं को गाइड

डॉ. विवेक बिंद्रा लंबे समय से युवाओं और एंटरप्रेन्योर्स को मोटिवेट करने का काम कर रहे हैं। अपने यूट्यूब वीडियो और बिजनेस प्रोग्राम्स के जरिए वे लाखों लोगों को बिजनेस में आगे बढ़ने की राह दिखा चुके हैं। उनका लक्ष्य हमेशा युवाओं को रोजगार और उद्यमिता की दिशा में प्रोत्साहित करना रहा है।

7-8 सितंबर को ब्लड मून की साया, पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा एक सीध में आएंगे

(जीएनएस)।

आसमान में जब चंद्रमा लाल रंग की चादर ओढ़ लेता है, तो नजारा ऐसा होता है कि हर कोई देखता रह जाता है। जी हां, हम बात कर रहे हैं 7-8 सितंबर 2025 को होने वाले पूर्ण चंद्र ग्रहण की, जिसे 'ब्लड मून' भी कहा जाता है। इस दिन पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा एक सीध में आएंगे, और चांद अपने लाल रंग के जादू से सबको मंत्रमुग्ध कर देगा।

हिंदू परंपराओं में चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है, और इसके साथ कुछ खास नियम और सावधानियां भी जुड़ी हैं। तो आइए, जानते हैं इस 'ब्लड मून' के बारे में और ग्रहण के दौरान क्या करें और क्या छोड़ दें, ताकि आप इस खगोलीय घटना का आनंद लेते हुए नकारात्मक प्रभावों से भी बच सकें!

जब पूर्ण चंद्र ग्रहण होता है, तो पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है, जिससे चांद पर सीधी सूरज की रोशनी नहीं पड़ती। इस दौरान पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य की किरणों को मोड़ता है, और नीला प्रकाश बिखरने के बाद लाल-नारंगी रंग चंद्रमा तक पहुंचता है। नतीजा? चांद लाल रंग में नहा जाता है, जिसे 'ब्लड मून' कहते हैं। 7 सितंबर 2025 को 82 मिनट तक ये लाल चांद अपनी छटा बिखेरेगा। तो अपने कैलेंडर पर निशान लगाइए और इस खगोलीय नजारे का मजा लीजिए!

हिंदू परंपराओं में चंद्र ग्रहण को

एक आध्यात्मिक अवसर माना जाता है। इस दौरान कुछ खास अनुष्ठान और कार्य करने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। आइए जानते हैं क्या करें:

ध्यान और भक्ति में डूब जाएं: ग्रहण के समय ध्यान, भजन, और कीर्तन करें। ये आपके मन को शांत रखेगा और सकारात्मकता बढ़ाएगा।

चंद्र देव के मंत्र जपें: सूतक काल और ग्रहण के दौरान चंद्रमा को समर्पित मंत्रों का जाप करें, जैसे 'ॐ सों सोमाय नमः'।

स्नान का नियम: ग्रहण से पहले और बाद में स्नान करें। अगर संभव हो तो गंगा जल से स्नान करें, नहीं तो सादे पानी से भी काम चलेगा।

घर को शुद्ध करें: ग्रहण के बाद घर में गंगा जल छिड़कें। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी।

महामृत्युंजय मंत्र का जाप: अगर आप बीमारी या मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं, तो इस मंत्र का जाप करें - 'ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिम् पुष्टिवर्धनम्...'।

हनुमान चालीसा और बजरंग बाण: अगर आपको ग्रहण की नकारात्मक ऊर्जा का डर है, तो इनका पाठ करें। ये आपको सुरक्षा और शक्ति देगा।

पितृ पक्ष में गंगा स्नान: चूंकि ये ग्रहण पितृ पक्ष की पूर्णिमा पर होगा, गंगा नदी में स्नान करना विशेष फलदायी होगा।

पवित्र ग्रंथ पढ़ें: भागवत गीता, रामायण या अन्य धार्मिक ग्रंथों का पाठ करें।

गर्भवती महिलाओं के लिए खास टिप: ग्रहण शुरू होने से पहले गोद में पानी से भरा नारियल रखें। ग्रहण खत्म होने के बाद इसे बहते पानी में प्रवाहित करें। इससे बच्चे पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

खाने में तुलसी या कुशा: खाद्य पदार्थों में तुलसी के पत्ते या कुशा के बीज डालें, ताकि ग्रहण का असर न हो।

ग्रहण और सूतक काल के दौरान कुछ चीजों से बचना जरूरी है, ताकि नकारात्मक ऊर्जा से बचा जा सके:-

शुभ कार्य टालें: इस दिन शादी, गृह प्रवेश, नई गाड़ी खरीदना या नया बिजनेस शुरू करना टाल दें।

खाना न बनाएं, न खाएं: ग्रहण के दौरान भोजन बनाना या खाना वर्जित है। पहले से बना खाना तुलसी पत्र डालकर रखें।

शारीरिक संपर्क से बचें: ग्रहण या सूतक काल में अंतरंग संबंध बनाने से परहेज करें।

देवी-देवताओं की मूर्ति न छुएं: पूजा स्थल पर मूर्तियों को स्पर्श करने से बचें।

'तारक मेहता' के प्रोड्यूसर असित मोदी ने लोगों को दिया बड़ा झटका, 'दयाबेन' को लेकर नया ट्विस्ट

(जीएनएस)।

टीवी का फेमस शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोड्यूसर असित मोदी ने बताया है कि जब एक्ट्रेस दिशा वकानी ने ये सीरियल छोड़ा था, तो वह बेहद घबरा गए थे। लंबे समय तक उन्होंने इस किरदार को रिप्लेस करने के बारे में सोचा तक नहीं था।

नई दयाबेन को लेकर असित मोदी का बड़ा बयान

हालांकि अब शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने ये साफ कह दिया है कि हर हाल में शो में नई दयाबेन को लाना ही होगा। असित मोदी ने एक हालिया इंटरव्यू में कहा है- ये सवाल लोग मुझसे हमेशा पूछते हैं। सच कहूं तो मैंने पहले कभी खुलकर नहीं कहा, लेकिन 2017 में जब दिशा वकानी ने शो छोड़ा था, मैं बहुत डर गया था।

'दयाबेन का किरदार बदलना आसान नहीं था'

प्रोड्यूसर असित मोदी ने आगे बताया कि जेठालाल और दयाबेन की जोड़ी शो की जान थी। दयाबेन का बोलने का अंदाज और उनका अलग स्टाइल पूरे देश में मशहूर था। यही वजह थी कि उन्होंने काफी समय तक दिशा की जगह किसी और को लाने की हिम्मत नहीं जुटाई। असित मोदी का मानना है कि दयाबेन का किरदार बदलना आसान नहीं है।

'दिशा वकानी ने फैमिली लाइफ को प्राथमिकता दी'

असित मोदी ने कहा कि उनके और दिशा के बीच अच्छे संबंध हैं और कभी कोई मनमुटाव नहीं रहा है। उन्होंने कहा- मैं हमेशा चाहता था कि दिशा वकानी शो में वापसी करें। मैंने उम्मीद भी रखी और प्रार्थना भी की, लेकिन उन्होंने अपनी फैमिली लाइफ को प्राथमिकता दी और मां बनने के बाद वापसी मुश्किल हो गई थी।

'दिशा का शो में लौटना संभव नहीं'

असित मोदी ने आगे कहा- महामारी के दौरान जब वह दूसरी बार मां बनीं, तो मुझे समझ आ गया था कि उनके लिए शो में लौटना आसान नहीं होगा। हम आज भी संपर्क में हैं और हाल ही में रक्षाबंधन भी साथ मनाया है।

अब शो में होगी नई दयाबेन की एंट्री?

असित मोदी ने कहा है कि उन्होंने साल 2022-23 से नई दयाबेन की तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने कहा- हमारे शो ने हाल ही में 17 साल पूरे किए हैं। अब वक्त आ गया है कि शो को आगे बढ़ाने के लिए एक नई दयाबेन लानी ही होगी। पानी सिर के ऊपर जा चुका है। अब शो में नए दयाबेन की एंट्री होगी।

कितने बजे से लगेगा चंद्र ग्रहण का सूतक काल? क्या चांद का रंग होगा लाल?

(जीएनएस)।

7 सितंबर को साल 2025 का दूसरा चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है, ये ग्रहण भारतीय समयानुसार रात 9 बजकर 58 मिनट पर शुरू होकर देर रात 1 बजकर 26 मिनट तक रहेगा और भारत में दिखाई देगा इसलिए इसका सूतक काल भी लगेगा। आपको बता दें कि चंद्र ग्रहण का सूतक काल 9 घंटे पहले लगता है इसलिए भारत में ये 7 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 59 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा यानी कि इस काल में में पूजा-पाठ और शुभ काम वर्जित होते हैं इसलिए मंदिरों के कपाट इस वक्त से बंद रहेंगे।

कहां-कहां दिखेगा

भारत , ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, हिंद महासागर, पश्चिमी प्रशांत महासागर, पूर्वी अटलांटिक महासागर और अंटार्कटिका में दिखेगा। बेंगलुरु के जवाहरलाल नेहरू तारामंडल ने पुष्टि की है कि यह पूर्ण चंद्रग्रहण बेंगलुरु सहित पूरे भारत में दिखाई देगा, बशर्ते आसमान साफ रहे। यह दुर्लभ खगोलीय घटना 82 मिनट तक पूर्ण चंद्रग्रहण के रूप में रहेगी, जिसके दौरान चंद्रमा पृथ्वी की छाया से गुजरते हुए गहरे लाल रंग में बदल जाएगा।

क्या है 'ब्लडमून'?

ये ग्रहण पूर्ण है इसलिए इसे 'ब्लडमून' भी कहा जा रहा है। लाल रंग का मतलब यहां पर चांद के लाल होने से नहीं है बल्कि इसका अर्थ लाल-नारंगी प्रकाश से है। जब पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य की रोशनी को मोड़ देता है तब लाल रंग की किरणें पृथ्वी की सतह से होकर गुजरकर चंद्रमा तक पहुंचती हैं। जिससे उस समय चंद्रमा पर लालिमा छा जाती है जिसे कि 'ब्लडमून' कहते हैं।

कब होता है 'पूर्ण चंद्र ग्रहण'

आपको बता दें कि जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीध में होते हैं तो 'पूर्ण चंद्र ग्रहण' लगता है। ज्योतिष शास्त्र में ग्रहण को राहु और केतु की छाया से जोड़कर देखा जाता है। ये माना जाता है कि चंद्र ग्रहण का असर व्यक्ति के मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक जीवन पर भी पड़ सकता है इसलिए ग्रहणकाल में सभी को ध्यान करने को कहा जाता है और ग्रहण काल के बाद स्नान- दान करने को बोला जाता है, जिससे निगेटिव चीजें दूर हों।

करें इन मंत्रों का जाप

गायत्री मंत्र का करें जाप

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।' ये हर मर्ज की काट है इसलिए ग्रहणकाल में इसे कम से कम कम 5-10 बार जरूर करना चाहिए।

हनुमान जी का स्मरण करना चाहिए

'ॐ हं हनुमते नमः का जाप (108 बार)

'ॐ नमो भगवते आञ्जनेयाय महाबलाय स्वाहा' (51 बार)

'ॐ आञ्जनेयाय विद्महे वायुपुत्राय धीमहि। तन्नो हनुमान् प्रचोदयात्।' (111 बार)

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

अहमदाबाद मण्डल के टिकट चेकिंग स्टाफ का सराहनीय कार्य: ट्रेन में छूटा लैपटॉप वाला बैग यात्री को सुरक्षित लौटाया

(जीएनएस)।

पश्चिम रेलवे पर अहमदाबाद मंडल के समर्पित कर्मचारी अपने सम्मानीय ग्राहकों को सुखद और सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए हमेशा आगे रहते हैं। इसी क्रम में अहमदाबाद मण्डल में कार्यरत श्री शकील अहमद उप मुख्य टिकट निरीक्षक ने ईमानदारी का परिचय देते हुए एक यात्री द्वारा ट्रेन में छोड़ा गया कीमती बैग, जिसमें एक लैपटॉप एवं अन्य कीमती वस्तुएं थीं जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ₹2 लाख होगी, को ढूंढ कर सुरक्षित रूप से यात्री को लौटाया गया।

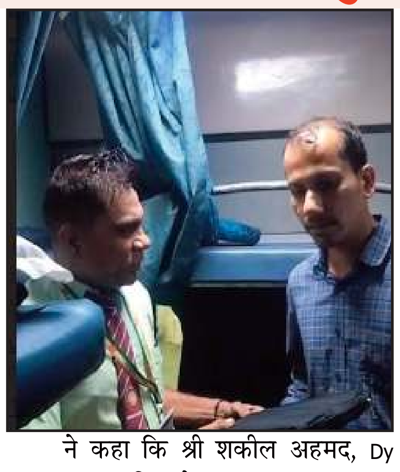

गाड़ी संख्या 09208 में, कोच संख्या अ/1, बर्थ संख्या 30 पर यात्रा कर रहे यात्री श्री संदीप पंड्या, जो अहमदाबाद से बोरीवली की यात्रा कर रहे थे, अपना काला बैग ट्रेन में भूल गए थे। यह बैग ड्यूटि पर कार्यरत उप मुख्य टिकट निरीक्षक (Dy CTI) श्री शकील अहमद को जांच के दौरान मिला उन्होने तत्पर कार्यवाही करते हुए बैग को सुरक्षित यात्री को लौटाया।

इस सराहनीय कार्य के लिए यात्री ने कहा कि श्री शकील अहमद, Dy CTI का दिल से धन्यवाद करना चाहता हूँ, उन्होंने मेरी हाल की ट्रेन यात्रा के दौरान मेरा लैपटॉप बैग लौटाने में जो मदद की, वह वास्तव में सराहनीय है। उनके त्वरित प्रयासों ने न केवल मेरा कीमती समय बचाया, बल्कि मुझे एक बड़ी असुविधा और खर्च से भी बचा लिया।

मैं उनके यात्रियों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना और समर्पण की सच्ची सराहना करता हूँ। उनकी सहायता ने वास्तव में मेरी बहुत बड़ी मदद की है और मैं उनके इस सहयोग के लिए हृदय से आभारी हूँ।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन - भावनगर मंडल द्वारा शिक्षक दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

शिक्षक दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित बाल मंदिर और किड्स हट के अध्यापकों की ओर से भावनगर डिवीजन में दिनांक 05.09.2025 (शुक्रवार) को एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर संगठन की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी वर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती मोनिका शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान अध्यापकों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें सभी ने सराहा।

महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी वर्मा ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए समाज निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं और उन्हें सही दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर शिक्षकों को उपहार भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

पश्चिम रेलवे ने अप्रैल से अगस्त, 2025 के दौरान गहन टिकट जांच अभियानों से प्राप्त किया 84.20 करोड़ रुपये का जुमार्ना

मुंबई,

एसी उपनगरीय लोकल से प्राप्त किया गया 1.20 करोड़ रुपये का जुमार्ना

पश्चिम रेलवे द्वारा सभी वैध यात्रियों को सुगम, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की देखरेख में टिकट जांच दलों द्वारा अप्रैल से अगस्त, 2025 की अवधि में विविध टिकट जांच अभियानों के माध्यम से कुल 84.20 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त की गई, जो गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 35% से अधिक है, साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से लगभग 13% अधिक है। इस राशि में मुंबई उपनगरीय खंड से लगभग 23 करोड़ रुपये की राशि भी शामिल है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अगस्त, 2025 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा तथा बिना बुक किए गए सामान से जुड़े 2.39 लाख मामलों का पता लगाकर 13.21 करोड़ रुपये की वसूली की गई, जो पिछले वर्ष के अगस्त के आंकड़ों की तुलना में 166% से अधिक है। साथ ही, मुंबई उपनगरीय खंड पर 88 हजार मामलों का पता लगाकर 3.44 करोड़ रुपये का जुमार्ना प्राप्त किया गया है। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए लगातार औचक टिकट जांच अभियान भी चलाए जा रहे हैं। एसी लोकल में केंद्रित अभियानों के परिणामस्वरूप, अप्रैल से अगस्त, 2025 के दौरान 36 हजार से अधिक अनधिकृत यात्रियों को दंडित किया गया और उनसे 1.20 करोड़ रुपये जुमार्ने के रूप में प्राप्त किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 54% अधिक है। ऐसे उल्लेखनीय परिणाम अनधिकृत यात्रा पर अंकुश लगाने, यात्री अनुभव को बेहतर बनाने और सार्वजनिक राजस्व की सुरक्षा के लिए पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं। पश्चिम रेलवे आम जनता से अपील करता है कि कृपया उचित और वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें।

मुंबई में गणेश विसर्जन के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल, रहेगी चप्पे-चप्पे पर नजर

(जीएनएस)।

मुंबई में गणेशोत्सव का समापन बेहद धूमधाम से और भव्य अंदाज में किया जाता है। पूरे प्रदेश में विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जाते हैं। इस बार मुंबई में गणपति विसर्जन के दौरान पुलिसकर्मियों की तैनाती, ड्रोन से निगरानी के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

पहली बार मुंबई पुलिस और प्रशासन अक की मदद से शहर की निगरानी करने वाली है। भीड़ नियंत्रण के साथ ही यह सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम है।

गणपति विसर्जन के समय मुंबई में लाखों भक्त शामिल होते हैं। इस दौरान भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार अक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इससे पहले प्रयागराज महाकुंभ में भी सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया गया था।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

- मुंबई पुलिस ने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस मुस्तैदी से इंतजाम कर रही है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में लगे हाई-टेक उउळश कैमरे अक-

सॉफ्टवेयर से लैस होंगे। इन कैमरों की मदद से भीड़ की गतिविधियों का विश्लेषण कंट्रोल रूम से किया जा सकेगा।

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आएगा करोड़ों साल पहले का खतरनाक जीव, अक से बनेगा 3ऊ मॉडल

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से संदिग्ध हरकतों की जानकारी कंट्रोल रूम तक रीयल टाइम में मिलेगी और इससे भीड़ को नियंत्रित करने, ट्रैफिक मैनेजमेंट और सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।
- मुंबई पुलिस ने बताया कि अक कैमरे चेहरों की पहचान और व्यवहार पैटर्न का भी विश्लेषण करेंगे। इसके अलावा, ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है जो ऊंचाई से भीड़ को नियंत्रित करने का काम करेगी।

ट्रैफिक और भीड़ का नियंत्रण

गणेश विसर्जन के समय अक्सर मुंबई में भारी जाम की स्थिति बन जाती है। लाखों की संख्या में लोग सड़कों पर निकलते हैं और ऐसे वक्त में ट्रैफिक नियंत्रण करना बेहद कठिन होता है। इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के जरिए ट्रैफिक मूवमेंट को पहले से मॉनिटर किया जा सकेगा। इससे रियल टाइम में ट्रैफिक डायवर्ट किया जा सकेगा, जिससे आम लोगों को कम असुविधा होगी और पुलिसकर्मियों के लिए भी ट्रैफिक संचालन आसान होगा।

पश्चिम रेल्वे

विविध कार्य

रेल मंडल प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008। ई-निविदा आमंत्रित।

क्र. नं.	निविदा सूचना संख्या एवं तिथि	कार्य एवं स्थान	कार्य की अनुमानित लागत ₹	EMD ₹
1.	BCT/25-26/210 दि. 03/09/2025	कोलाबा - बधवारपार्क में लगभग 40 रेलवे अधिकारियों के क्वार्टरों का संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण एवं आंतरिक निर्माण।	₹ 4,07,38,708.25	₹ 3,53,700.00
2.	BCT/25-26/211 दि. 03/09/2025	मुंबई सेंट्रल (मुख्य) - SSE (W-I) मुंबई सेंट्रल के अधिकार क्षेत्र में चारदीवारी का सुधार एवं निर्माण।	₹ 2,24,69,051.36	₹ 2,62,400.00
3.	BCT/25-26/212 दि. 03/09/2025	फुट ओवर ब्रिज/रोड ओवर ब्रिज/पाइपलाइन ब्रिज, एलिवेटेड डेक रोड, स्काईवॉक; एलिवेटेड के रखरखाव हेतु जनशक्ति उपलब्ध कराना। एसएसई/ब्रिज-लोअर परेल के अंतर्गत चर्चगेट-अंधेरी खंड में पुल निर्माण हेतु विविध गतिविधियों हेतु बुकिंग कार्यालय, ईओटी क्रेन और वेल्डिंग सेट।	₹ 87,65,965.23	₹ 1,75,300.00
4.	BCT/25-26/213 दि. 03/09/2025	दादर में एलिवेटेड रोड का धातुकरण, पेंटिंग, स्टील संरचना और चर्चगेट-खार खंड के बीच पैदल ऊपरी पुल।	₹ 1,21,48,755.00	₹ 2,10,800.00

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए, जमा करने की तिथि और समय: दि. 30.09.2025 को 15:00 बजे तक। खोलने की तिथि और समय: 30.09.2025 को 15:30 बजे। नोट:- अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0571

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फोलो करें: x.com/WesternRly

गुना में ईद के मौके पर सनसनी, आईपीएल सटोरिए ने गैंगस्टर सलमान लाला के पोस्टरों से बिगाड़ा माहौल

(जीएनएस)।

ईद-उल-फितर के पवित्र मौके पर गुना शहर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कुछ शरारती तत्वों ने शहर की शांति भंग करने की कोशिश की। इंदौर के कुख्यात गैंगस्टर सलमान लाला को महिमामंडित करते हुए शहर के चौराहों और गलियों में पोस्टर और बैनर टांग दिए गए।

इन पोस्टरों ने न केवल स्थानीय लोगों की भावनाओं को आहत किया, बल्कि सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की साजिश का भी शक पैदा कर दिया। इस पूरे मामले में एक क्ढछ सटोरिए की भूमिका सामने आई है, जिसके तार अशोकनगर के एक बड़े सट्टेबाज से जुड़े हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ शरारत थी, या फिर इसके पीछे कोई सुनियोजित साजिश थी?

सटोरिए ने गैंगस्टर सलमान लाला के पोस्टरों से बिगाड़ा माहौल

पोस्टरों ने बिगाड़ा माहौल

शुक्रवार सुबह, जब गुना शहर ईद की खुशियों में डूबा था, श्रीराम कॉलोनी के निवासियों की नजर कुछ असामान्य पोस्टरों पर पड़ी। इन पोस्टरों में इंदौर के गैंगस्टर सलमान लाला को नायक की तरह दशार्या गया था। पोस्टरों पर सलमान लाला का बड़ा-सा चेहरा और कुछ युवकों की तस्वीरें थीं, जो स्थानीय लोगों के लिए अपरिचित नहीं थीं। इनमें से कुछ चेहरों की पहचान शहर के कुख्यात क्ढछ सटोरियों के रूप में हुई।

श्रीराम कॉलोनी में लगे पोस्टरों को देखते ही स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई। कुछ ही देर में प्रशासन और पुलिस हरकत में आए और इन पोस्टरों को हटवाया। लेकिन जयस्तंभ चौराहे और बस स्टैंड जैसे व्यस्त इलाकों में लगे पोस्टरों पर किसी का ध्यान नहीं गया। ये पोस्टर रातों-रात शहर के प्रमुख स्थानों पर लगाए गए थे, जिससे यह साफ था कि यह कोई सामान्य शरारत नहीं, बल्कि सुनियोजित कार्रवाई थी।

जयस्तंभ चौराहे पर सटोरिए का राज

जयस्तंभ चौराहे पर लगे एक पोस्टर ने सबका ध्यान खींचा। एक पोस्टर में सलमान लाला का बड़ा फोटो था, और नीचे तीन युवकों की तस्वीरें थीं। पास ही दूसरा पोस्टर था, जिसमें इन तीनों युवकों के साथ-साथ जीन घर में रहने वाले एक कुख्यात क्ढछ सटोरिए की तस्वीर थी। इस सटोरिए का नाम शहर में पहले से ही चर्चा में है, क्योंकि वह अशोकनगर के एक बड़े सट्टेबाज का खास सहयोगी माना जाता है।

यह सटोरिया, जिसका नाम पुलिस रिकॉर्ड में कई बार उभर चुका है, क्ढछ सट्टेबाजी के दौरान कैंट पुलिस की गिरफ्त में भी आ चुका है। पुलिस को उसके मोबाइल से अशोकनगर के सट्टेबाज के साथ बातचीत के कई सबूत मिले थे। सूत्रों के अनुसार, यह सटोरिया फिलहाल फरार है, और उसका नाम ऋक्रऋ से हटवाने के लिए कई रसूखदार लोग कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस बार, उसके इशारे पर शहर में पोस्टर लगवाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश ने सबको हैरान कर दिया।

क्या थी साजिश?

इन पोस्टरों के पीछे की मंशा को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों और जानकारों का मानना है कि यह सिर्फ सलमान लाला को महिमामंडित करने की कोशिश नहीं थी, बल्कि इसके जरिए शहर का सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश थी। जयस्तंभ चौराहे पर लगे पोस्टरों में सटोरिए की तस्वीर को प्रमुखता से दिखाना इस बात का संकेत देता है कि यह कृत्य सुनियोजित था।

पुलिस ने इस मामले में जाँच शुरू कर दी है। कैंट पुलिस स्टेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "हम इस मामले की गहराई से जाँच कर रहे हैं। पोस्टर लगाने वालों की पहचान की जा रही है, और यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश थी।" पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है, लेकिन मुख्य सटोरिया अभी भी फरार है।

सलमान लाला: अपराध की दुनिया का कुख्यात नाम

सलमान लाला कोई नया नाम नहीं है। इंदौर का यह गैंगस्टर कई गंभीर अपराधों में शामिल रहा है, जिसमें हत्या का प्रयास और अवैध हथियार रखने जैसे मामले शामिल हैं। मार्च 2024 में इंदौर क्राइम ब्रांच ने उसे एक अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में 32 से अधिक मामले दर्ज हैं। ऐसे में, गुना जैसे शांतिप्रिय शहर में उसकी तस्वीरों वाले पोस्टर लगना एक गंभीर मामला है।

पुलिस की कार्रवाई पर सवाल

हालांकि, पुलिस ने श्रीराम कॉलोनी के पोस्टर तुरंत हटवा दिए, लेकिन जयस्तंभ चौराहे और बस स्टैंड जैसे प्रमुख स्थानों पर लगे पोस्टरों को हटाने में देरी ने कई सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर प्रशासन ने पहले ही सतर्कता बरती होती, तो यह विवाद इतना तूल न पकड़ता। कुछ नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि सटोरिए के रसूखदार कनेक्शनों की वजह से उस पर सख्त कार्रवाई नहीं हो रही है।

सोशल मीडिया पर गरमाई चर्चा

यह मामला सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बन गया है। पर कई यूजर्स ने इसे शांति भंग करने की साजिश करार दिया। एक यूजर ने लिखा, "गुना जैसे छोटे और शांत शहर में इस तरह की हरकतें चिंता का विषय हैं। पुलिस को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।" वहीं, कुछ लोगों ने इसे सट्टेबाजों की आपसी रंजिश से जोड़ा, जो अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं।

प्रशासन की अपील: शांति बनाए रखें

गुना जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। जिला कलेक्टर ने कहा, "हम इस मामले की गंभीरता से जाँच कर रहे हैं। नागरिकों से अनुरोध है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और शहर की शांति बनाए रखें।" पुलिस ने शहर के संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में बताई जा रही है।

उस आईएएस को मैं कभी माफ नहीं करूंगा', कौन हैं अवनीश अवस्थी जिसे अखिलेश यादव ने दी धमकी?

(जीएनएस)।

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने खुद पर लगे टोंटी चोरी के आरोप को लेकर पलटवार किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि, दो अधिकारियों ने फेक न्यूज फैला कर मेरी बदनामी कराई। एक कअर अवनीश अवस्थी हैं और एक अधिकारी भाग गया, डरऊकौशिक नाम हैं।

ये इल्जाम लगाया टोटी ले गए, हमारे घर को गंगाजल से धुलवोगे आप, आप भूल सकते हो, मैं नहीं भूल सकता...उन अधिकारियों को कभी माफ नहीं करुंगा अखिलेश ने कहा कि यह मामला भूलने वाला नहीं है।

अखिलेश यादव ने क्या कहा?

ये इल्जाम लगाया टोटी ले गए, हमारे घर को गंगाजल से धुलवोगे आप, आप भूल सकते हो, मैं नहीं भूल सकता... मैं नहीं भूल सकता हूं। आपको कई बार कहा हूं और फिर कहता हूं। टोंटी चोरी वाला मामला एक अखबार ने स्टिंग ऑपरेशन किया, याद करिए आप। एक पत्रकार ने पूरी जानकारी हासिल की, उसने कहा था

कि एक IAS अवनीश अवस्थी हैं और एक अधिकारी भाग गया, OSD कौशिक नाम हैं। ये बात हम लोग भूलने वाले नहीं हैं। ये सरकार भी जान लें और सरकार चलाने वाले भी।

वहीं डरऊ कौशिक पर निशाना साधते हुए कहा कि, डस्टबिन जैसा है, हाइट डस्टबिन जितनी है। अगर बड़ा डस्टबिन शहर में देखा होगा आपने, उतनी ही हाइट है उनकी।

कौन हैं IAS अवनीश कुमार अवस्थी?

अवनीश कुमार अवस्थी (IAS) एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं, जिनका जन्म 19 अगस्त 1962 को हुआ था। उन्होंने 1985 में आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. की डिग्री हासिल की और 1987 में सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण कर आईएएस अधिकारी बने। अवस्थी ने उत्तर प्रदेश सरकार में ललितपुर, बदायूं, आजमगढ़, वाराणसी, फैजाबाद, मेरठ और गोरखपुर के जिला मजिस्ट्रेट सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। सितंबर 2005 से जनवरी 2009 तक उन्होंने उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में सेवा दी।

अवस्थी उत्तर प्रदेश सरकार में गृह एवं गोपनीय, धार्मिक मामले और सूचना जैसे विभागों के प्रभारी अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का "दाहिना हाथ" माना जाता था। सेवानिवृत्त होने के बाद वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार के पद पर कार्यरत हैं और विभिन्न महत्वपूर्ण मामलों में मार्गदर्शन और सलाह देते रहते हैं।

अवनीश अवस्थी का विवाह भारतीय लोक गायिका और पद्म श्री (2016) पुरस्कार विजेता मालिनी अवस्थी से हुआ है। उनके दो बच्चे हैं, बेटा अद्वितीय और बेटी अनन्या।

क्या है टोंटी चोरी का मामला?

टोंटी चोरी का मामला 2018 में सामने आया था। जब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को पूर्व मुख्यमंत्री के नाते मिले आवास को खाली करना था, तब उन पर आरोप लगा कि उन्होंने वहां तोड़फोड़ की और सरकारी संपत्ति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिलाद-उन-नबी के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिलाद-उन-नबी के अवसर पर सभी को अपनी शुभकामनाएँ दी हैं। श्री मोदी ने कहा, "यह पवित्र दिन हमारे समाज में शांति और खुशहाली लाए। करुणा, सेवा और न्याय के मूल्य सदैव हमारा मार्गदर्शन करें।"

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा;

"मिलाद-उन-नबी के अवसर पर शुभकामनाएँ।

यह पवित्र दिन हमारे समाज में शांति और खुशहाली लाए। करुणा, सेवा और न्याय के मूल्य सदैव हमारा मार्गदर्शन करें।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

ई-निविदा सूचना संख्या: - M137_MECH_PRTN_TEND_25_15

व्हील-शॉप के विभिन्न मशीनिंग कार्यों की आउटसोर्सिंग

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, कैरिज एवं वैगन मरम्मत कारखाना, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, नीचे दिए गए विवरण के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम: कार्यक्षेत्र के अनुसार, पश्चिम रेलवे के प्रतापनगर वर्कशॉप में व्हील-शॉप के विभिन्न मशीनिंग कार्यों की आउटसोर्सिंग।

कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 69,87,960.00/- (उनहत्तर लाख सत्तासी हजार नौ सौ साठ रुपये मात्र)

बोली सुरक्षा: ₹ 1,39,800/- (एक लाख उनचालीस हज़ार आठ सौ रुपये मात्र)

निविदा दस्तावेज़ लागत: शून्य | **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन

पूर्णता अवधि: 12 (बारह) महीने

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय: 26-09-2025/15:00 बजे

वेबसाइट विवरण और स्थान की सूचना जहाँ पूरा विवरण देखा जा सकता है: मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, प्रतापनगर, पश्चिम रेलवे - 390004

वेबसाइट: www.ireps.gov.in BRC171

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मंडल

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या: DRM-SnT-ADI-Sig 18 (पुनः आमंत्रित) वर्ष 2024-25

डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, प्रोग्रामिंग, परीक्षण और कमीशनिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत DRM/S और T, निविदा संख्या DRM-SnT-ADI-Sig 18 (पुनः आमंत्रित) 2024-25 के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। अंतिम तिथि 26.09.2025, 15:00 है। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे और प्राप्त किसी भी ऐसे मैन्युअल प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा।

कार्य का नाम: (1) चांदलोडिया में मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के प्रतिस्थापन और (2) अहमदाबाद डिवीजन के खोडियार और आंबली रोड सेक्शन के बीच ट्रेनों की प्राथमिकता और क्रॉसिंग को सक्षम करने के लिए लाइन नंबर 05 के निकट लूप लाइन (सीएसआर 720 एम) के प्रावधान के लिए चांदलोडिया बी केबिन में परिवर्तन / संशोधन के संबंध में आपूर्ति, स्थापना, प्रोग्रामिंग, परीक्षण और कमीशनिंग (पुनः आमंत्रित)।

कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 8,24,48,083.89/- (आठ करोड़ चौबीस लाख अड़तालीस हजार तिरासी रुपये और उनासी पैसे केवल)

बयाना जमा राशि: ₹ 5,62,300/- (रु. पाँच लाख बासठ हज़ार तीन सौ मात्र)

निविदा बंद होने की तिथि और समय: 26.09.2025 को 15:00 बजे के बाद नहीं

निविदा खुलने की तिथि और समय: 26.09.2025 को 15:30 बजे।

ई-टेंडरिंग की वेबसाइट: www.ireps.gov.in ADI 151

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

जापान के इवाते प्रीफेक्चर के वाइस गवर्नर तथा जेआईसीए के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की

- गुजरात में सेमीकंडक्टर इकोसिस्मट डेवलप करने में टेक्निकल सपोर्ट तथा स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रैक्टिकल नॉलेज में सहभागिता पर मुख्यमंत्री के साथ फलदायी परामर्श
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत-जापान के ऊष्मापूर्ण द्विपक्षीय संबंधों से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में राज्य में अधिक जापानी निवेश को गति मिलेगी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 5 सितंबर : जापान के इवाते प्रीफेक्चर के वाइस गवर्नर श्री सासाकी जून के नेतृत्व में जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की।

यह प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2025 में सहभागी होने के लिए भारत आया है। इस बीच प्रतिनिधिमंडल ने गुजरात में कार्यरत जापानी सेमीकॉन इंडस्ट्रीज की यात्रा का आयोजन किया।

यह प्रतिनिधिमंडल धोलेरा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसआईआर) में कार्यरत सेमीकॉन उद्योगों की साइट विजिट करने के बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री से मिला तथा उसने राज्य सरकार द्वारा जापानी उद्योगों को मिल रहे सहयोग पर आभार व्यक्त किया।

राज्य में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज के तेजी से बढ़ रहे दायरे से भी यह प्रतिनिधिमंडल प्रभावित हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस बैठक-चर्चा के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत-जापान के बीच द्विपक्षीय संबंधों से राज्य में सेमीकंडक्टर सेक्टर में जापानी उद्योगों को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

श्री पटेल ने विशेष उल्लेख किया कि गुजरात चार सेमीकंडक्टर प्लांट वाला राज्य है और सेमीकंडक्टर हब बनने की प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है।

इस संदर्भ में उन्होंने राज्य में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए जापान के इवाते प्रीफेक्चर के साथ टेक्निकल सपोर्ट तथा स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रैक्टिकल नॉलेज, उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादों के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालीन परस्पर सहयोग की उत्सुकता व्यक्त की।

इस बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, वित्त विभाग के प्रधान सचिव श्री टी. नटराजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव श्रीमती पी. भारती तथा वरिष्ठ अधिकारी सहभागी हुए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति मेंवाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के पूर्वार्ध के रूप में दिल्ली में डिप्लोमैट्स तथा हेड ऑफ द मिशन के साथ संवाद-बैठक संपन्न

- 45 देशों के राजदूत, उच्चायुक्त तथा प्रतिनिधि सहभागी हुए
- गुजरात 69 बिलियन यूएस डॉलर के एफडीआई एवं निर्यात में 27 प्रतिशत के योगदान के साथ सुदृढ़ वैश्विक संपर्क रखने वाला राज्य बना है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल
- राजदूत इन्क्लूजिव तथा सस्टेनेबल इकोनॉमीज के निर्णायक पार्टनर
- व्यापारी राज्य' की इमेज से आगे बढ़कर गुजरात अब न्यू एज इंडस्ट्री का हब बनने की ओर अग्रसर
- एआई, स्पेस टेक, फिनटेक, सेमीकंडक्टर, डिफेंस एंड एयरोस्पेस, ईवी जैसे फ्यूचरिस्टिक सेक्टर्स में गुजरात देश का पथ प्रदर्शक राज्य
- देश के सबसे लंबे समुद्री तट, 49 पोर्ट्स, पीएम गतिशक्ति मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क तथा रोबस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ गुजरात लॉजिस्टिक्स में अग्रिम राज्य

गांधीनगर, 05 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने नई दिल्ली में विभिन्न राजदूतों तथा मिशन प्रमुखों के साथ संवाद बैठक में गुजरात के वैश्विक विकास की प्रभावी प्रस्तुति करते हुए कहा कि 69 लाख यूएस डॉलर के एफडीआई एवं निर्यात में 27 प्रतिशत योगदान के साथ गुजरात सुदृढ़ वैश्विक संपर्क रखने वाला राज्य बना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में आयोजित होने वाली वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज (वीजीआरसी) के पूर्वार्ध के रूप में नई दिल्ली में राज्य सरकार द्वारा आयोजित संवाद बैठक में लगभग 45 राष्ट्रों के राजदूत, उच्चायुक्त तथा प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने इस संवाद बैठक में

कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से 2003 में शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) की उत्तरोत्तर सफलता के परिणामस्वरूप गुजरात 'व्यापारी राज्य' की इमेज से आगे बढ़कर अब न्यू एज इंडस्ट्री का हब बनने की ओर अग्रसर है।

उन्होंने जोड़ा कि एआई, स्पेस टेक, फिनटेक, सेमीकंडक्टर, डिफेंस एंड एयरोस्पेस, ईवी तथा ग्रीन एनर्जी जैसे फ्यूचरिस्टिक सेक्टर्स के उद्योगों के केन्द्र के साथ गुजरात देश का पथ प्रदर्शक राज्य बना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में पिछले दो दशक में गुजरात ग्रोथ, स्टेबिलिटी तथा अपॉर्च्युनिटीज का उज्ज्वल प्रतीक बना है। इतना ही नहीं; गुजरात वैश्विक निवेशकों के लिए एक ट्रस्टेड पार्टनर भी है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने यह भी जोड़ा कि नीति आधारित शासन, निवेशकों के अनुकूल मैत्रीपूर्ण वातावरण तथा सुगठित ढाँचागत सुविधाएँ प्रदान कर गुजरात विदेशी निवेशकों के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन फॉर इन्वेस्टमेंट बना है।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि कनेक्टिविटी तथा औद्योगिक इकोसिस्टम गुजरात की स्ट्रेंथ हैं। देश के सबसे लंबे समुद्री तट, 49 पोर्ट्स तथा पीएम गतिशक्ति अंतर्गत मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क के साथ लॉजिस्टिक्स एवं निर्यात में गुजरात ने अग्रणी राज्य के रूप में स्थान प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विजनरी लीडरशिप में गुजरात देश के औद्योगिक उत्पादन में 18 प्रतिशत का योगदान देता है।

वीजीआरसी की पृष्ठभूमि देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की सफलता को राज्य के प्रत्येक क्षेत्र में विस्तृत करेगी, एमएसएमई को सशक्त बनाएगी तथा क्षेत्रीय रूप से संतुलित विकास को प्रोत्साहन देगी।

उन्होंने राजदूतों तथा भागीदार देशों को वीजीआरसी थीम 'क्षेत्रीय आकांक्षाएँ, वैश्विक महत्वाकांक्षाएँ' के साथ अनुरूप एवं इन्क्लूजिव, इनोवेटिव व सस्टेनेबल इकोनॉमीज के निर्माण में गुजरात के साथ सहभागी होने और व्यापार, निवेश, टेक्नोलॉजी तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ आगामी रीजनल कॉन्फ्रेंसेज में भाग लेने के लिए राजदूत समुदाय को ऊष्मापूर्ण आमंत्रण दिया।

इस अवसर पर विदेश मंत्रालय के आर्थिक संबंध प्रभाग के सचिव श्री सुधाकर दलेला ने कहा, ह्वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की सफलता के बाद का महत्वपूर्ण कदम है और क्षेत्रीय क्षमताओं को दशार्ने, जमीनी स्तर के विकास को प्रोत्साहन देने तथा स्थानीय आकांक्षाओं को 'विकसित भारत@2047' तथा 'विकसित गुजरात@2047' के व्यापक विजन से सुसंगत प्लेटफॉर्म के रूप में सेवा देंगी।'

उन्होंने गुजरात सरकार की वीजीआरसी की इस नवीनतम पहल की प्रशंसा करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह नया प्लेटफॉर्म निवेशकों में समान उत्साह पैदा करेगा।

इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, उद्योग विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती ममता वर्मा तथा विदेश मंत्रालय के के संयुक्त सचिव (आर्थिक कूटनीति) श्री पी. एस. गंगाधर आदि ने भी प्रासंगिक संबोधन किया।

इस संवाद बैठक में राजदूत, केन्द्र तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ सचिव सहभागी हुए।

'हमने भारत को खो दिया', पुतिन-मोदी और शी जिनपिंग को साथ देख ट्रंप को लगी मिर्ची

(जीएनएस)।

भारत-चीन और रूस के बीच शंघाई सहयोग संगठन (रउड) समिट में दिखे तालमेल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चिंता में डाल दिया है। ट्रंप ने 5 सितंबर को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि, लगता है हमने भारत और रूस खो दिए हैं और अब वे सबसे गहरे, अंधकारमय चीन के साथ हैं।

उन्होंने इस बयान के साथ पीएम नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की समिट की तस्वीर भी साझा की। इस टिप्पणी ने वैश्विक कूटनीति में नई बहस को जन्म दे दिया है।

अंधकारमय चीन के हाथों खो दिया- ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'लगता है हमने भारत और रूस को सबसे गहरे, अंधकारमय चीन के हाथों खो दिया है। उन्हें एक लंबा और समृद्ध भविष्य मिले।'

SCO समिट में भारत-चीन-रूस का बढ़ता तालमेल

बता दें कि, चीन में आयोजित

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) समिट के दौरान भारत, रूस और चीन के बीच कूटनीतिक और आर्थिक सहयोग को लेकर खासा जोर देखने को मिला। इस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक मंच पर बैठे और वैश्विक सुरक्षा, व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान भारत और रूस के चीन के साथ बढ़ते सामरिक और आर्थिक तालमेल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बहसों को जन्म दिया और अमेरिका सहित अन्य देशों की नजरें इस गठजोड़ पर टिक गईं।

अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर तकरार जारी है

भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर विवाद लगातार जारी है और यह अब तक कई दौर की वार्ता और नोटिस के बावजूद शांत नहीं हो पाया है। अमेरिकी प्रशासन ने भारत से आयातित कुछ प्रमुख उत्पादों पर पहले ही 25% टैरिफ लगाया हुआ था, और अब 27 अगस्त 2025 से इसे और बढ़ाकर कुल 50% कर दिया गया है। अमेरिका का तर्क है कि भारत रूस से तेल खरीदकर, अप्रत्यक्ष रूप से रूस की मदद कर रहा है, जिससे रूस यूक्रेन पर युद्ध जारी रख पा रहा है। इसके जवाब में भारत ने इस फैसले का विरोध जताया है और दोनों देशों के बीच व्यापारिक और कूटनीतिक स्तर पर मतभेद बढ़ते जा रहे हैं।

क्या एक और एयर इंडिया विमान हादसा होने वाला था? 161 यात्रियों की जान बाल-बाल बची!

(जीएनएस)।

दिल्ली से इंदौर की उड़ान भरते ही एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान ने आसमान में 'पैन-पैन' कॉल के साथ सबके दिल की धड़कन बढ़ा दी। शुक्रवार सुबह उड़ान क 1028 में सवार 161 यात्रियों के साथ जब विमान के इंजन में 'ऑयल फिल्टर' की खराबी का संकेत मिला, तो पायलट ने फुर्ती दिखाते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को अलर्ट किया और प्राथमिकता के साथ लैंडिंग की मांग की।

लेकिन डरने की बात नहीं, क्योंकि खान सर की क्लास की तरह ही यह विमान भी 'सिंपल एंड सेफ' अंदाज में इंदौर के देवी अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। आइए, जानते हैं इस हाई-वोल्टेज ड्रामे की पूरी कहानी...

क्या हुआ आसमान में?

शुक्रवार सुबह दिल्ली से इंदौर जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान क 1028 के पायलट को इंजन में ऑयल फिल्टर से जुड़ी तकनीकी खराबी का

संकेत मिला। बिना देर किए, पायलट ने 'पैन-पैन' कॉल जारी कर एटीसी को सूचित किया।

'पैन-पैन' यानी ऐसी आपात स्थिति, जो जानलेवा तो नहीं, लेकिन तुरंत ध्यान मांगती है। इंदौर हवाई अड्डे के निदेशक विपिनकांत सेठ ने बताया कि विमान सुबह 9:55 बजे सुरक्षित लैंड कर गया, जबकि इसका निर्धारित समय 9:35 बजे था। यानी सिर्फ 20 मिनट की देरी, और सभी 161 यात्री सकुशल जमीन पर!

'पैन-पैन' का मतलब क्या?

'पैन-पैन' कोई बॉलीवुड डायलॉग नहीं, बल्कि विमानन और समुद्री संचार में इस्तेमाल होने वाला अंतरराष्ट्रीय सिग्नल है। यह तब बोला जाता है, जब कोई ऐसी स्थिति हो जिसमें तुरंत सहायता चाहिए, लेकिन जान को खतरा नहीं। इस मामले में, पायलट ने मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए एटीसी से प्राथमिकता लैंडिंग मांगी। इंदौर हवाई अड्डे पर तुरंत अग्निशमन और चिकित्सा टीमें तैनात की गईं, ताकि कोई रिस्क न रहे।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा, 'हमारे पायलट ऐसी स्थिति के लिए पूरी तरह प्रशिक्षित हैं। ऑयल फिल्टर में संदिग्ध खराबी के बाद चालक दल ने मानक प्रक्रिया का पालन किया और विमान को सुरक्षित उतारा। यह कोई आपातकालीन लैंडिंग नहीं थी, बल्कि एक एहतियाती कदम था।'

पहले भी हुआ ऐसा ड्रामा!

यह कोई पहला मौका नहीं है। हाल ही में दिल्ली से इंदौर जा रहे एयर इंडिया के एक अन्य विमान (AI2913, A320 नियो) को दाहिने इंजन में आग लगने के संकेत के बाद दिल्ली वापस लौटना पड़ा था। उस वक्त पायलट ने पहले 'मेडे' कॉल (जानलेवा आपात स्थिति) जारी की, लेकिन बाद में इसे 'पैन-पैन' में बदला, क्योंकि स्थिति नियंत्रण में थी।

क्या सिर्फ बिहार चुनाव के लिए किया जीएसटी में बदलाव? वित्त मंत्री ने अब दिया आरोपों का जवाब

(जीएनएस)।

देश में जीएसटी 2.0 सुधारों को लेकर चर्चा अपने चरम पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स दरों में ऐतिहासिक कटौती के बाद पहली बार प्रतिक्रिया दी और विपक्षी आरोपों पर भी करारा जवाब दिया। उन्होंने बताया कि ये सुधार विपक्ष के दबाव में नहीं बल्कि आम लोगों के जरूरत को देखते हुए किए गये हैं। इस दौरान उन्होंने कई अहम बातें कही।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग पहले जीएसटी को 'गब्बर सिंह टैक्स' कहकर मजाक उड़ाते थे, वही अब सरकार के जीएसटी 2.0 सुधारों का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं।

राहुल गांधी को लेकर क्या बोलीं वित्त मंत्री?

आज तक के साथ खास बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया था कि सरकार ने नौ साल तक राहुल गांधी के सुझावों को नजरअंदाज किया और अब अचानक बदलाव किए हैं। इस पर सीतारमण ने दो टूक कहा कि सुधार विपक्ष के दबाव से नहीं, बल्कि आम लोगों की जरूरतों को देखते हुए किए गए हैं।

सरकार का आम जनता पर फोकस

सीतारमण ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मकसद आम लोगों पर टैक्स का बोझ कम करना है। उन्होंने कहा कि पीएम ने लाल किले से अपने भाषण में साफ किया था कि नया जीएसटी 140 करोड़ भारतीयों के लिए है।

किसानों और छोटे कारोबारियों को लेकर क्या कहा?

वित्त मंत्री ने कहा कि नए जीएसटी सुधार किसानों और एमएसएमई (छोटे-मंझोले उद्योगों) के हित में हैं। उन्होंने साफ किया कि यह सुधार सिर्फ बिहार नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए हैं। उपभोग वाले राज्यों जैसे बिहार में रेट कटौती से मांग बढ़ेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

सीतारमण ने भरोसा दिलाया कि जीएसटी रेट कम होने का सीधा लाभ आम जनता तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री ने आश्वासन दिया है कि वह टैक्स कटौती का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाएगी।

अंतरराष्ट्रीय दबाव और ट्रंप को लेकर क्या कहा?

विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार डेढ़ साल से ज्यादा समय से जीएसटी सुधारों पर काम कर रही थी। ये बदलाव किसी अंतरराष्ट्रीय दबाव या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों की वजह से नहीं हुए, बल्कि भारत की अपनी जरूरतों के हिसाब से किए गए हैं।

राजस्व पर असर को लेकर उठे सवाल पर सीतारमण ने कहा कि जीएसटी काउंसिल में केंद्र और राज्य दोनों शामिल हैं, और असर दोनों पर समान रूप से पड़ता है। उन्होंने कहा कि, 'हम राज्य को दान नहीं दे रहे, बल्कि दोनों ने मिलकर टैक्स छोड़कर जीएसटी को एक साझा ढांचे में बनाया है।'

विपक्ष को नसीहत

सीतारमण ने विपक्ष को नसीहत दी कि जीएसटी जैसे अहम मुद्दे पर बोलने से पहले उन्हें 'होमवर्क' करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की अज्ञानता अब जनता के सामने खुलकर आ गई है। आज तक से खास बातचीत में सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान का समर्थन किया कि जीएसटी 'गुड एंड सिंपल टैक्स' है। उन्होंने कहा कि जीएसटी 2.0 सुधार इसे और ज्यादा आसान और असरदार बना देंगे।

कौन हैं पुरुषोत्तम रूपाला, जो भाजपा अध्यक्ष बनने की रेस में चल रहे हैं टॉप पर! मोदी या आरीसएस किस के हैं करीबी?

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की तलाश में है। जेपी नड्डा का कार्यकाल खत्म हो चुका है और अब पार्टी की नजर उस चेहरे पर है, जो संगठन और सत्ता -दोनों का संतुलन बनाए रख सके। इस बीच गुजरात के दिग्गज और पूर्व केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला अचानक सुर्खियों में आ गए हैं।

रूपाला का नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में तेजी से उभर रहा है। दिलचस्प यह है कि 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान उनके 'एंटी-क्षत्रिय बयान' ने काफी विवाद खड़ा किया था, फिर भी पार्टी और संघ की नजर में वे अब भी भरोसेमंद चेहरा माने जाते हैं। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके पुराने रिश्ते और आरएसएस का मजबूत समर्थन उनकी दावेदारी को और पुख्ता करता है।

सूत्र बताते हैं कि रूपाला उन नेताओं में से हैं, जिन्हें "वफादार और पार्टी-संघ नेतृत्व के बीच भरोसेमंद कड़ी" माना जाता है। हालांकि उनका नाम इस लिस्ट में नया है, लेकिन उनका कद इसलिए और बड़ा हो गया क्योंकि उन्हें न सिर्फ पीएम मोदी का

करीबी माना जाता है, बल्कि आरएसएस का आशीर्वाद भी हासिल है। यही वजह है कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में पुरुषोत्तम रूपाला का नाम अब टॉप पर चल रहा है। ऐसे में आइए जानते हैं पुरुषोत्तम रूपाला कौन हैं और उनके राजनीतिक करियर के बारें में।

परशोत्तम खोदाभाई रुपाला का जन्म 1 अक्टूबर 1954 को हुआ है। वो गुजरात के मूल निवासी हैं। पुरुषोत्तम रूपाला भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के वरिष्ठ नेता और मोदी सरकार में केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री रह चुके हैं। वे वर्तमान में राजकोट से 18वीं लोकसभा सांसद हैं। इससे पहले वे राज्यसभा सदस्य और गुजरात विधानसभा के विधायक रह चुके हैं। राजनीति में आने से पहले पुरुषोत्तम रूपाला शिक्षा क्षेत्र और प्रशासन से जुड़े रहे।

पुरुषोत्तम रूपाला प्रारंभिक जीवन

पुरुषोत्तम रूपाला का जन्म हरिबेन खोदाभाई और खोदाभाई माधाभाई के घर हुआ था। उन्होंने बीएससी और बीएड की पढ़ाई की।

वे सौराष्ट्र विश्वविद्यालय और गुजरात विश्वविद्यालय से 1976-77 के दौरान डिग्री ली थी।

राजनीति में आने से पहले (1977-1983) पुरुषोत्तम रूपाला एक स्कूल प्रिंसिपल रहे और बाद में अमेरेली नगर पालिका के मुख्य अधिकारी भी बने (1983-1987)।

शिक्षकों के लिए सीएम की बड़ी घोषणा, चौथी वेतनमान का तोहफा, कैबिनेट में जल्द होगा फैसला

(जीएनएस)।

शिक्षक दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के लिए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने ऐलान किया कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को जल्द ही चौथा वेतनमान दिया जाएगा।

यह घोषणा शुक्रवार, 5 सितंबर 2025 को भोपाल के प्रशासन अकादमी में आयोजित राज्य-स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में की गई। इस फैसले से राज्य सरकार पर 117 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा, लेकिन सीएम ने कहा कि शिक्षकों के कल्याण के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी।

शिक्षक सम्मान समारोह में गूंजी तालियां

शिक्षक सम्मान समारोह में मध्य प्रदेश के गवर्नर मंगुभाई पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। समारोह में 14 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। प्रत्येक शिक्षक को 25,000 रुपये की पुरस्कार राशि, शॉल, नारियल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, 2024 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित मध्य प्रदेश के दो शिक्षकों, शीला पटेल (दमोह) और भैरूलाल ओसारा (आगर-मालवा) को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल, नारियल, स्मृति चिन्ह और

5,000 रुपये नकद प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री ने समारोह में शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा, "शिक्षक समाज के असली निमार्ता हैं। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षक उइरए और कऊरए जैसे शीर्ष बोर्डों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। हमारे स्कूलों के छात्र अब देश भर की प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।"

चौथा वेतनमानः 35 साल की सेवा पूरी करने वालों को लाभ

सीएम ने घोषणा की कि चौथा वेतनमान उन शिक्षकों को दिया जाएगा जिन्होंने 1 जुलाई 2023 तक 35 साल की सेवा पूरी कर ली है। यह प्रस्ताव जल्द ही कैबिनेट के सामने रखा जाएगा, जिसके बाद इसकी औपचारिक मंजूरी मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में, शिक्षा विभाग के केवल अधिकारियों को ही चौथा वेतनमान मिल रहा है। इस नए फैसले से हजारों शिक्षकों को लाभ होगा, जो लंबे समय से इस मांग को उठा रहे थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा, "यह फैसला शिक्षकों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सम्मानित शिक्षकों ने समर्पण और प्रतिबद्धता का उदाहरण पेश किया है, जो पूरे राज्य के लिए प्रेरणा है।"

अन्य घोषणाएंः स्कूली बच्चों के लिए 330 करोड़ का बजट

शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने प्रदेश के 55 लाख सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए वर्दी खरीदने हेतु 330 करोड़ रुपये की राशि जारी की। यह राशि एक क्लिक के जरिए बच्चों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इस कदम से बच्चों को समय पर वर्दी उपलब्ध होगी, जिससे उनकी पढ़ाई में किसी तरह की रुकावट नहीं आएगी।

सीएम ने कहा, "शिक्षा समाज की प्रगति का आधार है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि न केवल शिक्षकों को सम्मान और सुविधाएं मिलें, बल्कि बच्चों को भी बेहतर संसाधन उपलब्ध हों।"

शिक्षकों के सम्मान में बढ़ा कदम

समारोह में सम्मानित होने वाले 14 शिक्षकों में जितेंद्र शर्मा (गुना), दिलीप जायसवाल (शाजापुर), दिलीप कात्रे (सिवनी), श्रीकांत कुर्मी (दमोह), श्रद्धा गुप्ता (खंडवा), मोहन सिंह गोंड (दमोहઈ൬

हां), अपूर्वा शर्मा (उज्जैन), धनराज वाणी (अलीराजपुर), राधा शर्मा (धार), डॉ. नरेंद्र कुमार उरमालिया (जबलपुर), महेंद्र कुमार लोधी (सागर), विनीता ओझा (रतलाम), डॉ. सरिता शर्मा (राजगढ़), और सौरभ कुमार शर्मा (बालाघाट) शामिल थे। इन शिक्षकों ने अपने समर्पण और नवाचार के जरिए शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय